जादुई
जूते

एक छोटे से देश में जहाँ लोग बहुत गरीब थे, वहाँ एक महिला रहती थी. वो बहुत दुखी थी. उसके बेटे पिपो के पैर बहुत बड़े थे - और वे बढ़ते ही जा रहे थे.

पिपो के पैर इतने बढ़ गए थे कि वो बिना दौड़े कोई भी रेस जीत सकता था.

जब मारिया, पिपो की छोटी बहन, खेतों में काम करने जाती, तो पिपो और उसकी माँ जूते खरीदने के लिए लोगों से पैसों की भीख माँगते थे.

"उसके पैरों के लिए पैसा दें! उसके पैरों के लिए दान दें!" पिपो की माँ लोगों के पास जाकर भीख मांगती थी.

तभी पड़ोस में अच्छी परी आई. और उसने पिपो की मदद करने की सोची. पिपो के पैर अब बड़े होकर तीन-फ़ीट लम्बे हो गए थे.

अगले घर की अपनी खिड़की में से रॉबर्टो ने परी को जादू की एक छड़ी लहराते हुए देखा. फिर अचानक दो शानदार लाल जूते वहां प्रगट हुए. वो देखकर रॉबर्टो को अपनी आँखों पर यकीन नहीं हुआ!

"देखो पिपो. यह रही जादुई जूतों की जोड़ी," परी ने कहा. "जब वे बहुत छोटे हो जाएं, तो उन पर कुछ पानी छिड़क देना जिससे वे आकार में बढ़ेंगे. लेकिन ज़रा सावधान रहना, उन पर बहुत ज़्यादा पानी मत डालना ..."
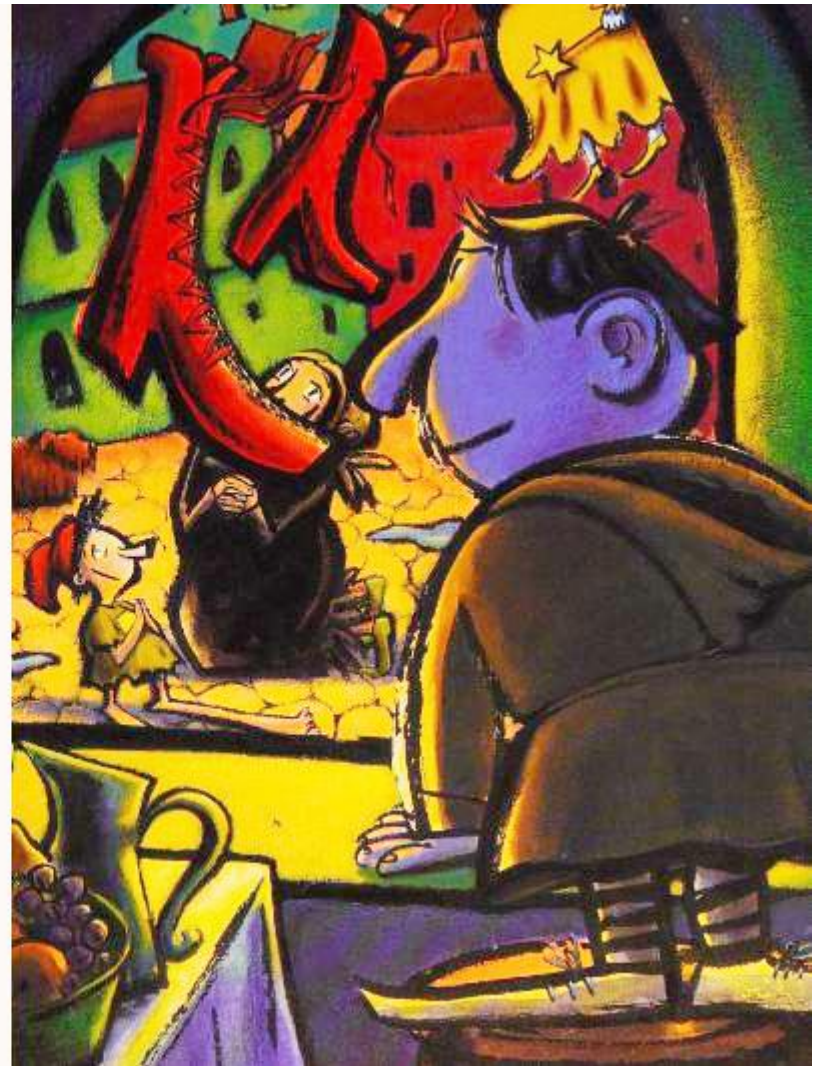
पिपो इतना खुश हुआ कि वो अपने नए जूते पहनकर रस्सी कूदने गया.

"काश मेरे पास भी ऐसे ही बूट होते," रॉबर्टो ने ईर्ष्या से कहा. वो पिपो पर जासूसी करता था.
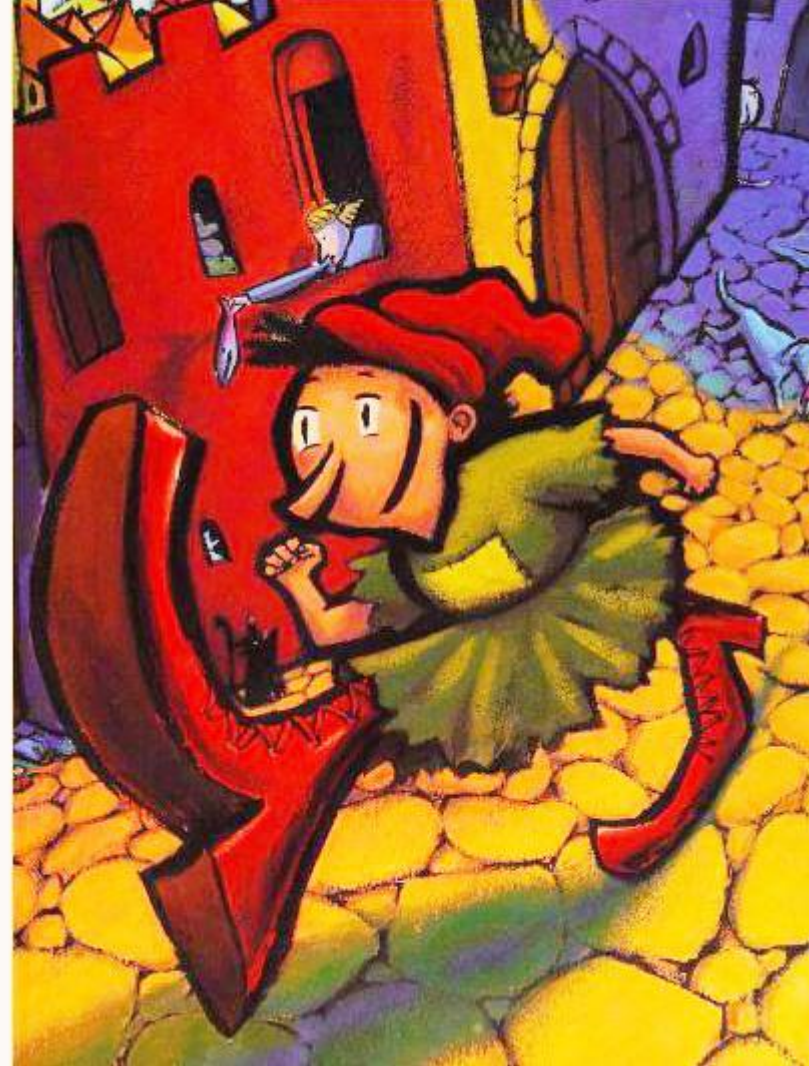
परी की चेतावनी को अनदेखा कर, पिपो पानी के सभी छोटे पोखरों में कूदा. छप! छप! छप्पाक! लेकिन जैसे-जैसे पानी ने उसके जूतों को छुआ ...

... वे बड़े और बड़े होते गए और अंत में वे पिपो के पैरों के लिए बहुत बड़े हो गए. आखिरी पोखर पर, पिपो फिसलकर गिर गया और तभी उसे अपने सामने एक विशाल, बालों वाले पैर की उंगलियां दिखाई दीं.

"आह हा! आखिरकार, मेरा खाना आ गया!" पैर की उंगलियों के भयानक मालिक हेक्टर राक्षस ने कहा.

"रहम करो राक्षस, मुझे मत खाओ. मैं पतला और सिकुड़ा हूँ और काफी गंदा हूँ."

लेकिन हेक्टर राक्षस को पतले, सिकुड़े और गंदे बच्चे, खाना पसंद थे. कई बार उनकी हड्डियां उसके दांतों के बीच फंस जाती थीं.

उसे लगा कि पिपो उसका एक स्वादिस्ट भोजन बनेगा.

"एक मिनट रुको, राक्षस, मैं तुम्हें बदले में एक उपहार दूंगा," पिपो ने कहा. वो मोल-तोल के धंधे में काफी उस्ताद था. “अगर तुम मुझे नहीं खाओगे तो मैं तुम्हें अपने जूते दे दूंगा."

"मुझे जूतों की ज़रूरत ही नहीं है!" राक्षस ने कहा.

"जूते के बिना कोई राक्षस, राक्षस बन ही नहीं सकता है!" पिपो ने घोषणा की. "देखो, नीचे बैठकर नंगे पांव भोजन करना ठीक नहीं होता है!”

अंत में पिपो, राक्षस को समझाने में कामयाब रहा. फिर राक्षस ने गर्व से अपने नए जूते पहने. पिपो अपने घर वापस चला गया. वो खुश था कि उसकी जान बच गई थी, लेकिन उसे जूते खोने का अफसोस भी था.

राक्षस भी अपने घर चला गया.

रॉबर्टो, जिसे हर शक्स से ईर्ष्या थी उस समय वहां मौजूद था.

पिपो और राक्षस की बातें सुनकर, वो बहुत तेजी से भागा. वो राक्षस के घर पहुंचकर उन जूतों को चुराना चाहता था.

राक्षस के घर में रॉबर्टो एक दराज के पीछे छिपा गया. वो उस जगह पर बैठा कांपने लगा. अचानक वो बुरी तरह डर गया - कहीं राक्षस उसे एक छोटे नूडल की तरह खा न जाए!

रात हुई और राक्षस ने बिस्तर पर सोने के लिए अपने जूते उतारे. जब राक्षस की खर्राटों से खिड़की के कांच खड़खड़ाने लगे तो रॉबर्टो अपने छिपने के स्थान से बाहर निकला और उसने वो बड़े जूते पहने.

वो अपने नए जूते पहनकर राक्षस के घर से भागा. वो हवा की तरह भागा. वो खेतों और नालों (जो एक अच्छी बात नहीं थी) को पार करते हुए भागा.
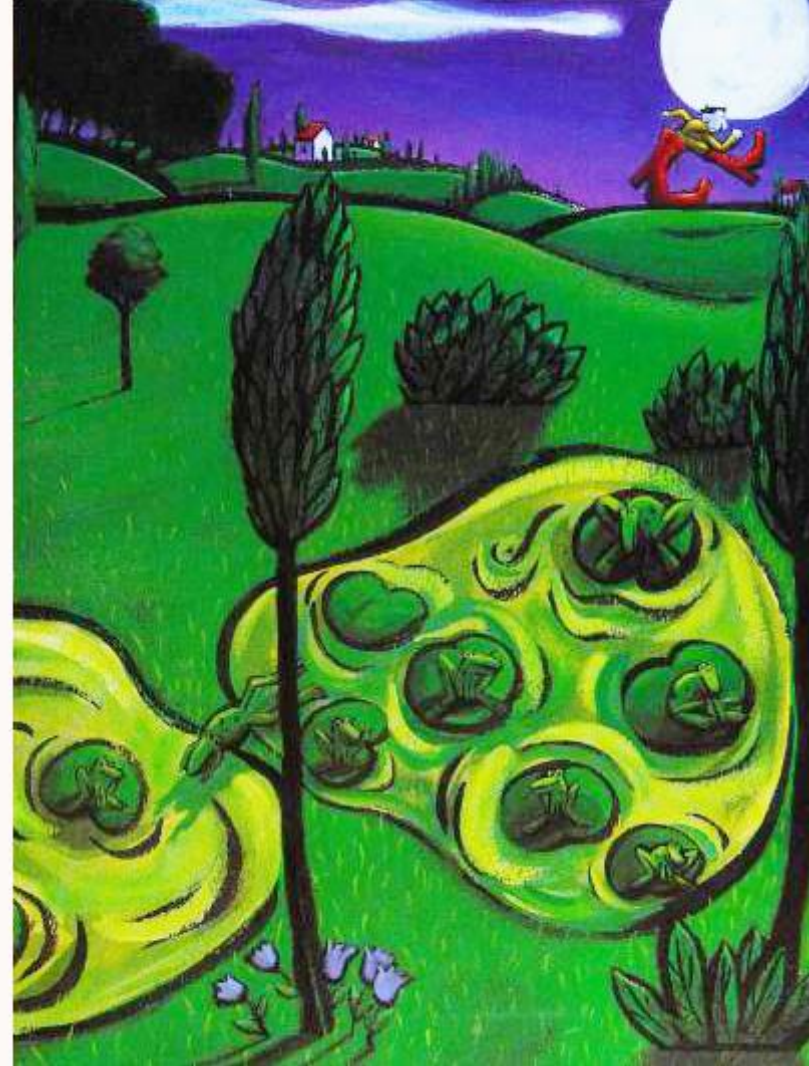
जैसे ही जूतों ने पानी को छुआ, वे बड़े और बड़े होते गए और जल्द ही रॉबर्टो के लिए वो बहुत भारी हो गए. क्योंकि वो अब उन्हें पहनने में सक्षम नहीं था इसलिए वो काफी नाराज था. अंत में उसने उन्हें एक खेत में, अलग-अलग करके दफनाने का फैसला किया. अगर वो उन जूतों को नहीं पहन सकता था, तो किसी और को भी उन्हें पहनने का कोई हक नहीं था.

कई दिनों बाद, मारिया, पिपो की छोटी बहन, खेत में कुछ बीज बो रही थी. उसने बीजों को पानी पिलाया, उन्हें खूब जमकर पानी पिलाया.

अचानक एक विशाल लाल आकृति पृथ्वी से बाहर निकली.

मारिया ने जितना अधिक पानी डाला वो आकृति उतनी ही बड़ा होती गई. उसने बड़ी मुश्किल से उस जूते को जमीन से बाहर निकाला. वो उसके भाई का ही बूट था!

मारिया उस जादुई जूते को घर लाई और उसने उसे अपने भाई पिपो को वापस दिया.
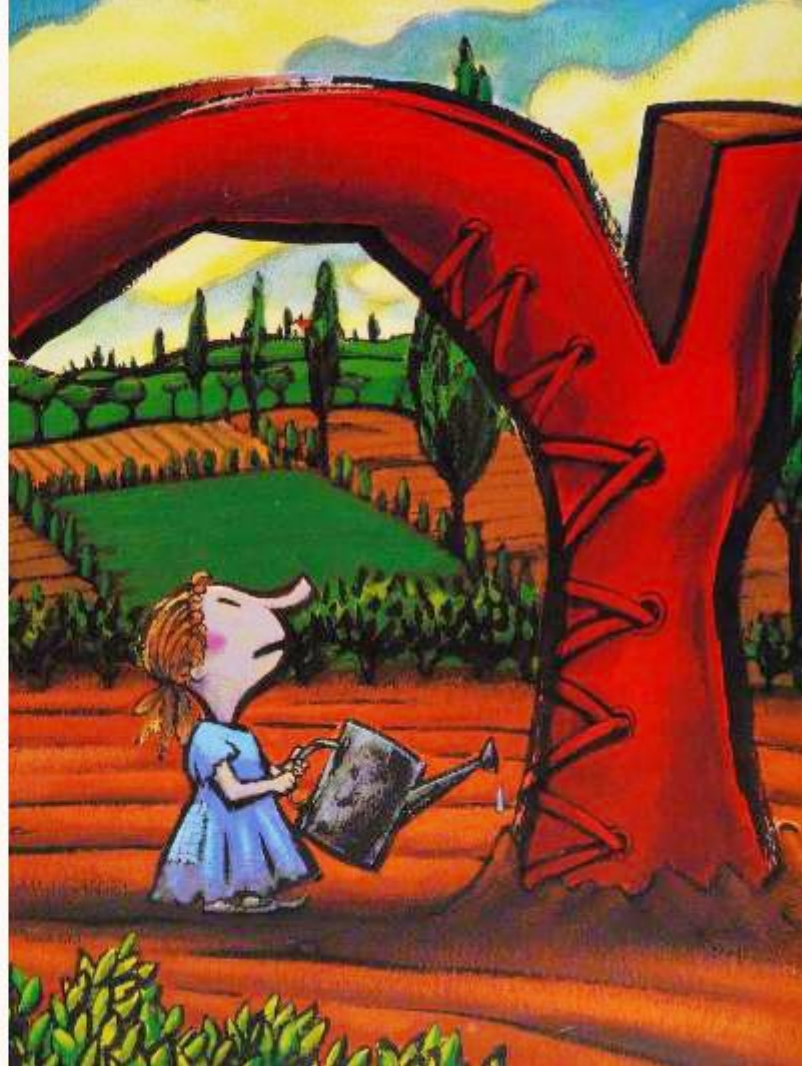
पहले तो पिपो अपने एक जूते को वापस पाकर बहुत खुश हुआ. लेकिन वो सिर्फ एक जूते का क्या करता? वो उसे पहन नहीं सकता था क्योंकि वो उसके लिए बहुत बड़ा था. वो जूता उसके छोटे देश के लिए भी बहुत बड़ा था. उसके देश में लोग हमेशा उसके पैरों को कुचलते हुए आगे बढ़ते थे. वो एक ऐसा देश था जो किसी बढ़ते पैरों वाले इंसान के लिए बहुत छोटा था.

जब मारिया ने अपने भाई को इतना दुखी देखा, तो उसके दिमाग में एक विचार आया. उसने अपनी आस्तीनें ऊपर कीं और छोटी मांसपेशियों की वर्जिश की. फिर उसने वो डिब्बा उठाया जिसमें वो एकलौता जूता रखा था और उसे समुद्र में फेंक दिया. जब जूता पानी से टकराया तो वो बड़ा और बड़ा होने लगा, और अंत में वो बन गया ...

... इटली!